पेजा के नाम पर बिक रहा नकली चावल

Publish Date:Thu, 13 Jan 2022 07:34 PM (IST)Author: Jagran

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खास पहचान बनाने वाले रोहडू के पेजा (लाल चावल) के नाम पर नकली चावल बेचा जा रहा है।

जितेंद्र मेहता, रोहड़ू

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खास पहचान बनाने वाले रोहडू के पेजा (लाल चावल) को कृषि मंत्रालय की ओर से इसके संवर्द्धन के लिए जीनाम सेवियर सम्मान मिलने के बाद इसके नाम पर नकली चावल बेचा जाने लगा है। पेजा गांव से दूर पार के लाल चावल उत्पादक किसानों व व्यापारियों ने इसकी पहचान का नाम लेकर व्यापार करना शुरू कर दिया है। इसमें व्यापारी दूसरे प्रदेशों में खासकर प्रदेश के साथ लगते उत्तराखंड राज्य से चावल खरीदकर ज्यादा दाम पर बेच रहे हैं।

पेजा गांव में लाल चावल की खेती करने वाले किसानों व इसकी पहचान दिलाने वाली स्थानीय संस्था प्रगतिशील रेड राइस फार्मर आफ रोहड़ू एवं नाग देवता स्वयं सहायता समूह पेजा ने पेजा गांव में पैदा किए जाने वाले लाल चावल के नाम पर हो रही ठगी से बचने की अपील की है।

स्वयं सहायता समूह पेजा की प्रधान वर्षा शर्मा, उपप्रधान दीपना, सचिव लीलावती व सदस्य मीना ने बताया कि पेजा के लाल चावल के नाम से ठगी से बचने के लिए संस्था की ओर से अब लाल चावल खरीदे जाने के बाद संस्था के नाम के पैड पर बिल जारी किया जाएगा। इसमें चावल की गुणवत्ता सहित अन्य खासियतों व इसे पकाने की विधि भी बताई जाएगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से लाल चावल के नाम ठगी से बचने का आह्वान किया है।

यहां के किसानों से बातचीत में पता चला है कि यहां के किसान सदियों से करीब एक हजार एकड़ भूमि पर परंपरागत रूप से हल-बैल व अन्य कृषि तौर-तरीकों से खेती करते आ रहे हैं। चांशल की गोद से निकलनी वाली पेजोड़ खड्ड से होती है। जिसके पानी की खासियत यह है कि यह पानी चांशल घाटी में मौजूद बहुमूल्य एवं स्वास्थ्यवर्द्धक जड़ी-बूटियों से गुजरकर आता है। वहीं चावल की किस्म को खास बनाने में यहां की मिट्टी की किस्म का भी काफी ज्यादा योगदान है, जो इस चावल की विशेषताओं को सबसे अलग करती है। पेजा लाल चावल को सम्मान मिलने के बाद प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के साथ उत्तराखंड से चावल लाकर पेजा लाल चावल के नाम व्यापार हो रहा है जोकि गलत है। पेजा गांव में पैदा होने वाले लाल चावल की खासियत विशेष है। ग्राहकों को नकली चावल खरीदने से बचाना होगा।

--दलील नेगी, अध्यक्ष, फल एवं कृषि समिति छौहारा।'

Source: https://www.jagran.com/himachal-pradesh/shimla-fake-rice-is-being-traded-from-other-states-in-the-name-of-red-rice-of-peja-22378835.html

जागरण